

है चारों ग्रंथ में साईं

है चारों ग्रंथ में साईं हरी अनंत में साईं,
चारो दिशाओ में है बाबा मेरे पथ पंथ में साईं,
है चारों ग्रंथ में साईं ...

चोला फकीरी का पहन कर घर घर मांगे भीख,
काया कंचन हो उसकी जो मान ले इनकी सीख,
संतो के संत है साईं है चारो और ग्रन्थ में साईं,

कोई बोले साधु जिसको कोई पीर फकीरा,
कोई लाग रुपी कलयुग में भी साईं है सच्चा हीरा,
आधी में अंत में साईं है चारो और ग्रन्थ में साईं,

आत्मा सच्ची मन है मेला तन मिटी का ढेर,
प्रेम की भाषा मीठी बोली श्रद्धा सुबरी के बेर,
वर्ण जीवन तुम्हे साईं है चारो ग्रंथ में साईं,
है चारों ग्रंथ में साईं

<https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/6273/title/hai-charo-grantho-me-sai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |